प्रश्न पत्र – MJY-C102 ✓ अर्जिताधिभार ~~06~~ 05

एम.ए. प्रथम–सत्र

गणितज्योतिष 70+30=100 पूर्णांक

GANITA JYOTISHA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा। 6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा। 10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड–1 ग्रहलाघव मध्यमाधिकार
खण्ड–2 स्पष्टाधिकार
खण्ड–3 ग्रहलाघव–चन्द्रग्रहणाध्याय
खण्ड–4 ग्रहलाघव–सूर्यग्रहणाध्याय
खण्ड–5 ग्रहलाघव– ग्रहछायाधिकार एवं शकादहर्गणद्यानयनाधिकार

सन्दर्भग्रन्थ :

1. ग्रहलाघव–केदारदत्त जोशी, प्रकाशन–मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. ग्रहलाघव – ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
3. ग्रहलाघव – सीताराम झा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. भारतीय ज्योतिष – नेमिचन्द्र शास्त्री